भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 3716

सोमवार, 24 मार्च, 2025/03 चैत्र, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

प्रसाद योजना के अंतर्गत 48 परियोजनाओं की स्थिति

3716. श्री महेश कश्यप:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रसाद योजना के अंतर्गत 16,46.99 करोड़ रुपये की लागत से संस्वीकृत 48 परियोजनाओं की वर्तमान प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त 48 परियोजनाओं के विकास के मद्देनजर स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार पर क्या आर्थिक प्रभाव पड़ने की संभावना है;

(ग) इस योजना के अंतर्गत उन कुछ सफल पहलों का ब्यौरा क्या है जिनका तीर्थ पर्यटन पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ा है, विशेषकर इस बात को ध्यान में रखते हुए कि 48 परियोजनाओं में से 23 परियोजनाएं पूरी हो चुकी है; और

(घ) पर्यटन अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए प्रसाद योजना के उद्देश्यों को प्राप्त करने में पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना किस प्रकार सहायक है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): पर्यटन मंत्रालय "तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान" (प्रशाद) के तहत चिह्नित तीर्थ स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने 27 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 48 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति **अनुबंध** में दी गई है।

(ख): प्रशाद योजना के तहत, अवसंरचना संबंधी विकास कार्य समावेशी, एकीकृत और सतत रूप से किया जाता है जिसके अंतर्गत आजीविका, कौशल, स्वच्छता, सुरक्षा, पहुंच और सेवाओं की डिलेवरी पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। रोजगार सृजन में इस योजना का योगदान होता है जबकि स्थानीय समुदायों के बीच इससे जागरूकता बढ़ती है और कौशल और क्षमता विकास को बढ़ावा मिलता है।

(ग): प्रशाद योजना के तहत सफल पहलें/हस्तक्षेप, जिनका तीर्थ पर्यटन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है और जिससे तीर्थयात्रियों का अनुभव समृद्ध हुआ है, इनमें पर्यटक सुविधा केंद्रों का विकास, ध्वनि और प्रकाश शो, बहुमंजिला कार पार्किंग, समर्पित पार्किंग क्षेत्र और घाटों का विकास आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, सौर पैनल और सीसीटीवी लगाने के कार्यों का कार्यान्वयन किया गया है।

(घ): भारत सरकार ने वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों के विकास के लिए पूंजी निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) के दिशानिर्देशों के तहत 23 राज्यों में 3295.76 करोड़ रु. की लागत से 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य देश में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास करना, उनकी ब्रांडिंग करना और वैश्विक स्तर पर विपणन करना है। इस योजना में स्थाई पर्यटन योजनाओं के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था के विकास और रोजगार के अवसर उत्पन्न करने की परिकल्पना की गई है।

प्रशाद योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को चिह्नित तीर्थ स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

दोनों योजनाओं के माध्यम से पर्यटन मंत्रालय का लक्ष्य अवसंरचना के विकास के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाकर देश के पर्यटन परिदृश्य का विस्तार करना है।

*****

अनुबंध

श्री महेश कश्यप द्वारा प्रसाद योजना के अंतर्गत 48 परियोजनाओं की स्थिति के संबंध में दिनांक 24.03.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 3716 के भाग (क) के उत्तर में **विवरण**

प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची (10.03.2025 तक)

(करोड़ रु. में)

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	**क्र. सं.**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**अनुमोदित लागत**	**जारी राशि**	**भौतिक प्रगति %**	**वित्तीय प्रगति %**
आंध्र प्रदेश	1.	अमरावती में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2015-16	27.77	27.77	100%	100%
	2.	श्रीशैलम मंदिर का विकास	2017-18	43.08	43.08	100%	100%
	3.	सिंहाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वारी देवस्थानम में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2022-23	54.04	13.69	59%	25%
	4.	अन्नावरम मंदिर शहर में तीर्थ पर्यटन अवसंरचना का विकास	2024-25	25.33	-	0%	0%
अरुणाचल प्रदेश	5.	परशुराम कुंड का विकास	2020-21	37.88	31.02	92%	82%
असम	6.	कामाख्या मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2015-16	29.80	29.80	100%	100%
बिहार	7.	पटना साहिब में विकास	2015-16	29.62	29.62	100%	100%
	8.	विष्णुपद मंदिर में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2014-15	3.63	3.63	100%	100%
छत्तीसगढ़	9.	मां बमलेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2020-21	48.44	40.19	90%	83%
गोवा	10.	बोम जीसस बेसिलिका का विकास	2024-25	16.46	-	0%	0%
गुजरात	11.	द्वारका का विकास	2016-17	10.46	10.46	100%	100%

	12.	सोमनाथ में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2016-17	45.36	45.36	100%	100%
	13.	सोमनाथ में सैरगाह का विकास	2018-19	47.12	47.12	100%	100%
	14.	अंबाजी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2022-23	50.00	10.54	35%	21%
हरियाणा	15.	माता मनसा देवी मंदिर और नाडा साहिब गुरुद्वारा का विकास	2019-20	48.53	34.68	74%	71%
जम्मू और कश्मीर	16.	हजरतबल दरगाह में विकास	2016-17	40.46	34.30	100%	85%
झारखंड	17.	बाबा बैद्यनाथ धाम का विकास	2018-19	36.79	34.95	100%	89%
कर्नाटक	18.	श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2023-24	45.71	0.00	0%	0%
केरल	19.	गुरुवायूर मंदिर में विकास	2016-17	45.19	45.19	100%	100%
मध्य प्रदेश	20.	अमरकंटक का विकास	2020-21	49.99	34.73	89%	69%
	21.	ओंकारेश्वर का विकास	2017-18	43.93	43.93	100%	100%
महाराष्ट्र	22.	त्र्यंबकेश्वर का विकास	2017-18	45.41	29.93	93%	66%
मेघालय	23.	नोंगस्वालिया चर्च, नर्तियांग शक्ति पीठ, ऐतनार पूल और चरणतला काली मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	2020-21	29.29	27.78	100%	95%
मिजोरम	24.	चिते वांग, जुआंगताई, रइक और आइजोल में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन के लिए अवसंरचना का विकास	2022-23	44.89	13.18	29%	29%
नागालैंड	25.	मोलुंगकिमोंग, नोकसेन चर्च, ऐजुतो, वोखा और कोहिमा में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	2018-19	25.20	23.56	100%	93%

	26.	जुन्हेबोटो में तीर्थयात्रा पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	18.18	15.45	72%	85%
ओडिशा	27.	पुरी में अवसंरचना का विकास	2014-15	50.00	10.00	-	20%
पंजाब	28.	अमृतसर में करुणा सागर वाल्मीकि स्थल का विकास	2015-16	6.40	6.40	100%	100%
	29.	चमकौर साहिब का विकास	2021-22	31.57	17.49	79%	55%
राजस्थान	30.	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	2015-16	32.64	26.11	100%	80%
	31.	बीकानेर में श्री करणी माता मंदिर का विकास	2024-25	22.58	-	0%	0%
सिक्किम	32.	फोर पेट्रन सेंट, युकसोम में तीर्थ सुविधा का विकास	2020-21	33.32	28.31	87%	85%
तमिलनाडु	33.	कांचीपुरम का विकास	2016-17	13.99	13.99	100%	100%
	34.	वेलंकन्नी का विकास	2016-17	4.86	4.86	100%	100%
तेलंगाना	35.	जोगुलम्बा देवी मंदिर का विकास	2020-21	38.90	33.07	72%	85%
	36.	रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	62.00	32.73	37%	53%
	37.	भद्राचलम में तीर्थ अवसंरचना का विकास	2022-23	41.38	8.43	29%	20%
त्रिपुरा	38.	त्रिपुरा सुंदरी मंदिर का विकास	2020-21	34.43	28.01	79%	81%
उत्तर प्रदेश	39.	वाराणसी का विकास - चरण-I	2015-16	18.73	18.73	100%	100%
	40.	मथुरा-वृंदावन का मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में विकास (चरण-II)	2014-15	10.98	10.98	100%	100%
	41.	वाराणसी में नदी क्रूज पर्यटन का विकास	2017-18	9.02	9.02	100%	100%

	42.	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014-15	9.36	9.36	100%	100%
	43.	वाराणसी का विकास - चरण-II	2017-18	44.60	31.77	100%	71%
	44.	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	37.59	30.97	100%	78%
उत्तराखंड	45.	केदारनाथ का एकीकृत विकास	2015-16	34.77	34.77	100%	100%
	46.	बद्रीनाथ जी धाम में तीर्थ सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	2018-19	56.15	38.38	85%	68%
	47.	गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थ अवसंरचना सुविधाओं का विस्तार	2021-22	54.36	10.22	100%	18%
पश्चिम बंगाल	48.	बेलूर मठ का विकास	2016-17	30.03	23.39	100%	78%

*****